भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा

**तारांकित प्रश्न संख्या: *220**

उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 15 दिसंबर, 2025

24 अग्रहायण, 1947 (शक)

**पंजाब में सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन**

***220. श्री मलविंदर सिंह कंग:**

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान पंजाब में सरकार द्वारा वित्तपोषित प्रमुख सांस्कृतिक विरासत संरक्षण और संवर्धन परियोजनाओं का उनके बजट और परिणाम सहित ब्यौरा क्या है;

(ख) पंजाब में कला और संस्कृति संगठनों को सरकार द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सहायता का क्या प्रभाव पड़ा है;

(ग) पंजाबी लोक और पारंपरिक कलाओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कितनी सहायता दी जाती है;

(घ) पंजाब में विशेष रूप से सर्वश्री भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव जैसे स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़े विरासत स्थलों के आस-पास सांस्कृतिक पर्यटन को विकसित करने के लिए सरकार द्वारा की गई पहलों का ब्यौरा क्या है; और

(ड.) सरकार पंजाब में सांस्कृतिक शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों यथा पुरातत्व, विरासत और प्रदर्शन कला संस्थानों में क्षमता निर्माण में किस प्रकार सहायता कर रही है?

**उत्तर**
**संस्कृति और पर्यटन मंत्री**
**(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (ड.): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

**पंजाब में सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और संवर्धन के बारे में माननीय संसद सदस्य श्री मलविंदर सिंह कंग द्वारा पूछे गए लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या *220 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में संदर्भित विवरण**

(क): पंजाब राज्य में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत 33 केंद्रीय संरक्षित स्मारक/स्थल हैं। इन स्मारकों/स्थलों के अनुरक्षण सहित इनका संरक्षण और परिरक्षण, राष्ट्रीय संरक्षण नीति के तहत आवश्यकता और संसाधनों की उपलब्धता के अनुसार किया जाता है। ये सभी स्मारक/स्थल भली-भांति परिरक्षित हैं। विगत तीन वर्षों के दौरान, पंजाब राज्य में केंद्रीय संरक्षित स्मारकों/स्थलों के संरक्षण के लिए आवंटित और खर्च की गई निधियों का विवरण निम्नानुसार है:

| **क्र. सं.** | वित्तीय वर्ष | कुल आवंटन | व्यय |
|---|---|---|---|
| 1. | 2022-23 | 2.79 | 2.79 |
| 2. | 2023-24 | 4.95 | 4.95 |
| 3. | 2024-25 | 3.43 | 3.43 |

(ख) और (ग): भारत सरकार ने पंजाब राज्य सहित अपने सदस्य राज्यों की लोक-कला को बढ़ावा देने के लिए पटियाला (पंजाब) में उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनजेडसीसी) की स्थापना की है। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों/कार्यक्रमों का आयोजन करता है जिसमें पंजाब राज्य सहित अपने सदस्य राज्यों में नियमित रूप से पंजाबी लोक और पारंपरिक कलाएं भी शामिल हैं, जिसके लिए उन्हें वार्षिक सहायता अनुदान प्रदान की जाती है। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के कुछ प्रमुख कार्यक्रमों में राष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, कलाग्राम गतिविधियाँ, रंगमंच कायाकल्प कार्यक्रम, प्रलेखन/प्रकाशन, राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव/क्षेत्रीय स्तर के राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव, आजादी का अमृत महोत्सव, हर घर तिरंगा आदि शामिल हैं। इन कार्यक्रमों के परिणाम से ज्ञात होता है कि वर्ष 2021-22 के दौरान 7154, वर्ष 2022-23 के दौरान 15622 और वर्ष 2023-24 के दौरान 24985 कलाकार इन पहलों से लाभान्वित हुए हैं।

विगत तीन वर्षों के दौरान, पंजाब राज्य में उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा आयोजित सांस्कृतिक गतिविधियों/कार्यक्रमों की संख्या निम्नानुसार है:

| **वर्ष** | **पंजाब में आयोजित सांस्कृतिक गतिविधियों/कार्यक्रमों की संख्या** |
|---|---|
| 2022-23 | 51 |
| 2023-24 | 50 |
| 2024-25 | 45 |

गुरु-शिष्य परंपरा (संग्रह अनुदान) को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता के विवरण के अलावा सांस्कृतिक समारोह और उत्पादन अनुदान अनुबंध-। के रूप में संलग्न है।

(घ): पर्यटन मंत्रालय द्वारा अपनी विभिन्न योजनाओं अर्थात् 'स्वदेश दर्शन (एसडी)', 'स्वदेश दर्शन-2.0' (स्वदेश दर्शन योजना का संशोधित रूप) 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)-स्वदेश दर्शन-2.0 की एक उप-योजना', 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता (एसीएटीआईडी)' के माध्यम से पंजाब राज्य सहित अन्य राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। यह वित्तीय सहायता संबंधित राज्य सरकार/केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन/केंद्रीय एजेंसियों से संबंधित योजना के दिशा-निर्देशों, सरकारी अनुदेशों, निधियों की उपलब्धता आदि के साथ सामंजस्य के अनुसार संबंधित योजना के तहत परियोजना प्रस्ताव की प्राप्ति पर प्रदान की जाती है। पंजाब राज्य में 'स्वदेश दर्शन, 'स्वदेश दर्शन-2.0, 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास', 'प्रसाद' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' के अंतर्गत स्वीकृत पर्यटन अवसंरचना परियोजनाओं का ब्यौरा अनुबंध-।। में संलग्न है।

इसके अलावा, भारत सरकार ने 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)-वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों का विकास' नामक योजना के तहत देश में 3295.76 करोड़ रुपये की लागत से 40 पर्यटन परियोजनाओं पर संस्वीकृति दी है जिसमें वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, पंजाब राज्य के एसबीएस नगर के खटकड़ कलां में शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए 53.45 करोड़ रुपये की लागत से उनके नाम पर एक धरोहर मार्ग (हेरिटेज स्ट्रीट) का निर्माण भी शामिल है।

(ङ): पंडित दीन दयाल उपाध्याय पुरातत्व संस्थान, ग्रेटर नोएडा पुरातत्व और इससे संबद्ध विषयों अर्थात् कला, वास्तुकला, प्रागैतिहास, आद्य-इतिहास, पुरालेख, मुद्राशास्त्र, छवि-चित्रण, प्रतिमा विद्या, संग्रहालय विज्ञान आदि के अध्ययन का एक प्रमुख केंद्र है जो दशकों से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के तत्वावधान में संवर्धित हो रहा है। यह संस्थान, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए पुरातत्व अध्ययन में एक-वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम संचालित करता है जिसमें उन्हें सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

इसके साथ-साथ यह संस्थान, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के क्षमता निर्माण के उपायों के एक भाग के रूप में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण में सेवारत कार्मिकों को समय-समय पर प्रशिक्षण भी प्रदान करता है। इसके अलावा, यह संस्थान अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों के लिए अल्प-कालिक प्रशिक्षण, कार्यक्रम/कार्यशालाएं आयोजित भी करता है।

अनुबंध- ।

**लोक सभा में दिनांक 15.12.2025 को उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या *220 के भाग (ख) और (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध।**

**गुरू शिष्य परंपरा (संग्रह अनुदान) को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता**

**(लाख रुपए में )**

| राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र | 2022-2023 | | 2023-24 | | 2024-25 | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | संगठनों की संख्या | धनराशि | प्राधिकृत संगठनों की संख्या | धनराशि | प्राधिकृत संगठनों की संख्या | धनराशि |
| पंजाब | 6 | 43.56 | 10 | 66.68 | 8 | 56.06 |

**सांस्कृतिक कार्यक्रम और उत्पाद अनुदान**

**(लाख रुपए में)**

| राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र | 2022-2023 | | 2023-24 | | 2024-25 | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | संगठनों की संख्या | धनराशि | प्राधिकृत संगठनों की संख्या | धनराशि | प्राधिकृत संगठनों की संख्या | धनराशि |
| पंजाब | 12 | 23.27 | 11 | 22.65 | 9 | 22 |

**अनुबंध- ।।**

**लोक सभा में दिनांक 15.12.2025 को उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या *220 के भाग (घ) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध।**

| **योजना/उप-योजना/पहल** | **परियोजना का नाम** | **स्वीकृति का वर्ष** | **स्वीकृत राशि (करोड़ रुपए में)** |
|---|---|---|---|
| स्वदेश दर्शन | आनंदपुर साहिब - फतेहगढ़ साहिब - चमकौर साहिब - फिरोजपुर - खटकर कलां – कलानौर – पटियाला (धरोहर सर्किट) | 2018-19 | 85.32 |
| स्वदेश दर्शन 2.0 | कांजली वेटलैंड में इको पर्यटन का अनुभव | 2023-24 | 20.06 |
| | अटारी में सीमा पर्यटन का अनुभव अटारी | 2024-25 | 25.91 |
| चुनौती आधारित गंतव्य विकास | हुसैनीवाला बॉर्डर, फिरोजपुर में सांस्कृतिक और धरोहर खंड | 2024-25 | 25.00 |
| | धरोहर खंड - श्री आनंदपुर साहिब, रूपनगर में शांति और सद्भाव का प्रतीक | 2024-25 | 24.90 |
| प्रसाद | अमृतसर में करुणा सागर वाल्मीकि स्थल का विकास | 2015-16 | 6.40 |
| | चमकौर साहिब का विकास | 2021-22 | 30.52 |
| एसीएटीआईडी | अटारी, वाघा बॉर्डर पर अवसंरचनात्मक विकास | 2018-19 | 12.87 |
| | 'जलियांवाला बाग मेमोरियल' का पुनरुद्धार/नवीनीकरण और अमृतसर, पंजाब में जलियांवाला बाग राष्ट्रीय स्मारक पर और कार्य किया जाएगा। | 2018-19 | 23.02 |
| | अमृतसर रेलवे स्टेशन | 2013-14 | 5.84 |

*****